दैनिक भारतेन्दु शिखर

वर्ष : 26 | अंक : 69 | शिमला | मंगलवार, 15 जुलाई, 2025 | मूल्य : 1.50 रुपए

नई दिल्ली : मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भेंट करते हुए।

अनुराग बोले- आपदा में दुकानदारों को हुआ लाखों का नुकसान

▶ राज्य सरकार की ओर से दुकानदारों को 2500 रुपए की राहत राशि दी जा रही

भारतेन्दु संवाददाता

सराज : हमीरपुर के सांसद अनुराग ठाकुर सोमवार को मंडी जिला के आपदा प्रभावित क्षेत्र सराज पहुंचे। इस अवसर पर सांसद अनुराग ठाकुर सराज के बगस्याड थुनाग प्रभावित परिवारों से मिले। थुनाग बजार में लगभग 100 के करीब दुकानदार इस आपदा से प्रभावित हुए हैं। अनुराग ठाकुर ने प्रभावित दुकानदारों से भी मुलाकात की। अनुराग ठाकुर ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से दुकानदारों को 2500 रुपए की राहत राशि दी जा रही है, जो न के बराबर है।

उन्होंने कहा कि दुकानदारों का लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। अगर दुकानदारों को दुकान की सफाई भी करनी हो तो 2500 रुपए में वह क्या करेंगे। उन्होंने कहा कि आपदा के समय में केंद्र सरकार प्रभावित क्षेत्र के साथ खड़ी है और जो केंद्र से हो सके वह हर संभव सहायता करेंगे। इस मौके पर बगस्याड और थुनाग स्कूल में प्रभावित छात्रों से भी मिले, जिनके मकान इस आपदा में चले गए हैं। इस मौके पर अनुराग ठाकुर ने छात्रों को स्कूल बैग के साथ अन्य सामान भी दिया। इस दौरान उनके साथ नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर और विधायक इंद्र सिंह भी मौजूद रहे। अनुराग ठाकुर ने कहा कि आपदा के इस दौर में पूर्व सीएम एवं नेता प्रतिपक्ष व सराज के विधायक जयराम ठाकुर ने शानदार काम किया है।

उन्होंने दूर दराज के क्षेत्रों में पहुंचकर प्रभावितों तक मदद पहुंचाई है। भाजपा ने प्रभावितों को राशन, किचन का सामान और बिस्तर से लेकर अन्य सभी प्रकार का जरूरत का सामान मुहैया करवाया है। सांसद मोबाइल सेवा के माध्यम से दो हजार लोगों के स्वास्थ्य की निशुल्क जांच करके दवाईयां वितरित की गई हैं। सेनेटरी पैड और एक हजार तिरपाल प्रभावितों को दिए गए हैं। आज एक हजार स्कूल बैग, दो हजार पैंसिल, पांच हजार बिस्किट के पैकेट, पांच हजार प्रोटीन पैकेट और कॉपियों सहित अन्य जरूरत का सामान बच्चों को दिया गया है।

छपते-छपते

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय वित्त मंत्री से भेंट की

शिमला : मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भेंट की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय वित्त मंत्री को हिमाचल प्रदेश की वित्तीय स्थिति से अवगत करवाया और प्रदेश की ऋण सीमा बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने जानकारी दी कि हाल ही में भारी बारिश के कारण प्रदेश में भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने केंद्र सरकार से राज्य को सहायता प्रदान करने का आग्रह किया। उन्होंने वित्त मंत्रालय में प्रदेश के लम्बित विभिन्न मामलों पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की। मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना और मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार राम सुभग सिंह इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ उपस्थित थे।

बैठक में कारागार एवं सुधार गृह के कार्यों की समीक्षा

शिमला : हिमाचल प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति के परियोजना निदेशक राजीव कुमार की अध्यक्षता में स्टेट ओवरसाइट कमेटी की बैठक आयोजित हुई। बैठक में कारागार एवं सुधार गृह तथा अन्य क्लोज सेटिंग में चलाए जा रहे कार्यों की वर्ष 2025-26 (अप्रैल से जून माह) की समीक्षा की गई। परियोजना निदेशक राजीव कुमार ने कहा कि प्रदेश सरकार के निर्देशों के तहत सभी जेलों के प्रत्येक कैदियों की एचआईवी, सिफलिस, टीबी, हेपेटाइटिस आदि की जांच सुनिश्चित करवाई जाए। इससे नाको के 95-95-95 का लक्ष्य पूरा किया जा सकेगा तथा समस्त कैदियों के स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने में सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि जो कैदी संक्रमित पाए जाते हैं, उन्हें जेल व स्वास्थ्य सेवाओं के साथ मजबूत समन्वय स्थापित कर चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने प्रदेश में कैदियों के स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक में कारागार एवं सुधार गृह, पुलिस, राज्य महिला एवं बाल विकास, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन टीबी, राज्य हेपेटाइटिस नियंत्रण, राज्य एड्स नियंत्रण विभाग के समस्त अनुभाग, दिशा टीम व सहायक भागीदारी एचएलएफपीपीटी संस्था के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कॉफी के साथ करियर पर बेहद जरूरी टिप्स

चंबा : राज्यस्तरीय बाल विज्ञान सम्मेलन के विजेता प्रतिभागियों के लिए उपायुक्त मुकेश रेप्सवाल की ओर से कार्यालय कक्ष में 'कॉफी विद डीसी' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रेरणादायक पहल के दौरान एसपी अभिषेक यादव, एडीएम अमित मैहरा, सहायक आयुक्त अपराजिता चंदेल, शिक्षा विभाग के उपनिदेशक उच्चतर भाग सिंह, शिक्षा उपनिदेशक प्रारंभिक बलवीर सिंह, ओएसडी उमाकांत आनंद और साईंस सुपरवाइजर गौरव वैद विशेष तौर पर मौजूद रहे। इस दौरान विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित करने के साथ ही प्रशासनिक अधिकारियों से संवाद का अवसर भी प्रदान किया गया। सम्मान पाने वाले छात्रों में डीएवी स्कूल चंबा के साईंस क्विज के सीनियर वर्ग के विजेता यशवर्धन व अरनव ठाकुर, साईंस क्विज जूनियर वर्ग में डीसीएम गुरूकुल पब्लिक स्कूल लचोड़ी के सारांश शर्मा व परिधि शर्मा, साईंस माडल के उपविजेता पीएम श्री राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला चंबा के अभिनव ठाकुर व गोपाल भारद्वाज, माडल सीनियर वर्ग में तृतीय स्थान पाने वाली राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला चंबा की मानस्वी ठाकुर व कृतिका सूरी और साइंटिफिक निबंध लेखन के उपविजेता पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला रायपुर का छात्र आदित्य शर्मा शामिल रहे। इस आयोजन में साईंस सुपरवाइजर गौरव वैद की भूमिका विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। इनके कुशल पर्यवेक्षण और लगातार मार्गदर्शन से जिले में विज्ञान शिक्षा को नई दिशा मिल रही है। उपायुक्त मुकेश रेप्सवाल ने कार्यक्रम के दौरान जब बच्चों से पूछा कि आप बड़े होकर क्या बनना चाहते हो तो इनमें राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चंबा की छात्रा कृतिका सूरी, डीसीएम गुरूकुल स्कूल लचोड़ी के सारांश शर्मा व पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला रायपुर के आदित्य शर्मा ने बताया कि वे जिलाधिकारी बनना चाहते हैं। इस पर उपायुक्त ने उन्हें अपनी कुर्सी पर बिठा दिया।

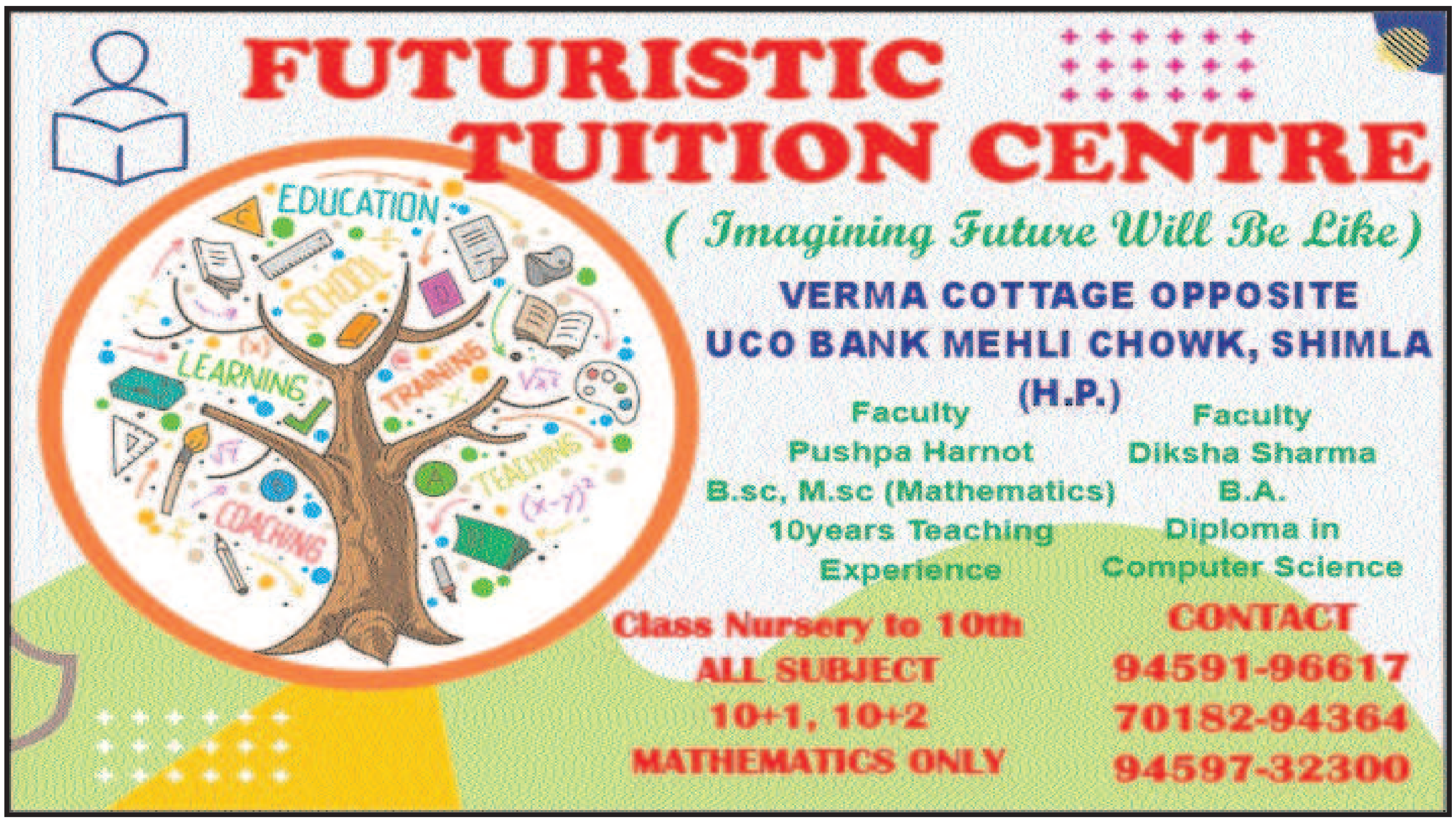

स्वास्थ्य मंत्री ने सराज के आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं पुनर्वास कार्यों का लिया जायजा

भारतेन्दु संवाददाता

मंडी : स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता व सैनिक कल्याण मंत्री डॉ. (कर्नल) धनीराम शांडिल ने आज मंडी जिला के सराज में आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर यहां हुए नुकसान तथा राहत एवं पुनर्वास कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने आपदा प्रभावितों से भेंट की और इस संकट की घड़ी में सभी प्रभावितों के साथ एकजुट खड़े रहकर प्रदेश सरकार की ओर से हरसंभव मदद की प्रतिबद्धता जताई।

उन्होंने कहा कि सराज विधानसभा क्षेत्र में राहत एवं पुनर्वास कार्यों के लिए मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के संवेदनशील नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने प्रभावी कदम उठाए हैं। राज्य सरकार की ओर से सराज क्षेत्र को सात करोड़ रुपए तुरंत प्रभाव से जारी किए गए हैं। आपदा में बेघर हुए परिवारों को गृह निर्माण के लिए सात लाख रुपए तथा छह माह तक मकान किराए के रूप में पांच हजार रुपए प्रतिमाह प्रदान किए जाएंगे। जिन घरों में गाद भरी है, बड़े पत्थर आ गए हैं या जो अब असुरक्षित हैं, उन्हें पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त श्रेणी में डालने पर सरकार विचार कर रही है, ताकि प्रभावितों को अधिक से अधिक मुआवजा मिल सके। क्षतिग्रस्त घरों के सामान और पशुधन का मुआवजा भी प्रदेश सरकार देगी।

उन्होंने कहा कि राजस्व अधिकारियों को सभी प्रकार के नुकसान का आकलन करने के निर्देश दिए गए हैं। फूलों की खेती और सेब बागवानी को हुए नुकसान का आकलन किया जाएगा। राज्य सरकार आपदा प्रभावितों को फिर से बसाने के लिए वन टाइम पॉलिसी लाने पर विचार करेगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग को भी बड़े स्तर पर नुकसान पहुंचा है। आपदा के उपरांत दुर्गम क्षेत्रों तक बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए विभाग निरंतर प्रयासरत है। अभी तक सराज के आपदा प्रभावित थुनाग व जंजैहली क्षेत्रों में 13,353 से अधिक लोगों की स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित की गई है। इसके अतिरिक्त 5527 रोगियों को घर-गांव में आवश्यक दवाइयां उपलब्ध करवाई गई हैं।

मॉडर्न एजुकेशन स्कूल मशोबरा ने पर्यावरण संरक्षण में किया पौधरोपण

भारतेन्दु संवाददाता

शिमला : मॉडर्न एजुकेशन स्कूल (एमईएस) मशोबरा ने आज एक विशेष पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर तारापुर स्थित ग्राम पंचायत कोहलुजुब्बड़ में स्कूल के करीब 50 विद्यार्थियों ने देवदार और अनार सहित अन्य फलदार पर्यावरणीय उपयोगी एक सौ पौधों का रोपण किया गया।

पौधरोपण कार्यक्रम में स्कूल के अध्यापकों ने छात्रों को पौधरोपण का पर्यावरण और मानव जीवन पर महत्व के बारे में जानकारी दी। अध्यापकों ने छात्रों को पर्यावरण को हरा भरा रखने के लिए निरंतर पौधरोपण करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के अंत में स्कूल के विद्यार्थियों ने वन संरक्षण, प्राकृतिक सुंदरता और स्वच्छता को बनाए रखने की शपथ भी ली। मॉडर्न एजुकेशन स्कूल (एमईएस) पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक चेतना फैलाने में समय समय पर प्रयासरत रहता है।

आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत व पुनर्वास कार्य तीव्र गति से जारी : डॉ. मदन कुमार

भारतेन्दु संवाददाता

मंडी : मंडी जिला के आपदा प्रभावित क्षेत्रों में जिला प्रशासन द्वारा राहत व पुनर्वास कार्य तीव्र गति से किए जा रहे हैं, ताकि आम जन-जीवन को शीघ्रातिशीघ्र सामान्य स्थिति में लाया जा सके। यह जानकारी अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी डॉ. मदन कुमार ने यहां दी।

उन्होंने बताया कि 30 जून व 01 जुलाई की मध्य रात्रि मंडी जिला के विभिन्न स्थानों पर बादल फटने व भारी बारिश के कारण बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई थी, जिस कारण कई क्षेत्रों में जनजीवन काफी प्रभावित हुआ। उन्होंने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में जिला प्रशासन द्वारा तुरन्त त्वरित राहत व बचाव कार्य आरंभ कर दिए गए थे, जो कि निरन्तर जारी है।

उन्होंने बताया कि प्रभावित क्षेत्र में फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया तथा प्रभावित परिवारों को तात्कालिक राहत स्वरूप सूखा अनाज, पेयजल, तिरपाल, दवाईयां तथा अन्य जरूरी सामग्री उपलब्ध करवा दी गई।

उन्होंने बताया कि जो परिवार आपदा से प्रभावित हुए हैं, उनके लिए सुरक्षित स्थानों पर अस्थाई आश्रय गृह स्थापित किए गए हैं, जहां पर उन्हें भोजन, पेयजल, चिकित्सा सेवाएं एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं मुहैया करवाई जा रही हैं।

विधायी समितियाँ विधायिकाओं की रीढ़ : कुलदीप सिंह पठानियां

भारतेन्दु संवाददाता

भोपाल : हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां ने मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में समिति प्रणाली की समीक्षा हेतु आयोजित पीठासीन अधिकारियों की समिति की बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि विधायी समितियाँ हमारी विधायिकाओं की रीढ़ हैं जो विस्तृत जांच द्विदलीय विचार विमर्श और प्रभावी निगरानी को सक्षम बनाती है।

अपना अनुभव सांझा करते हुए पठानियां ने कहा कि उन्होने भी कई चुनौतियाँ देखी हैं जो उनकी पूरी क्षमता को बाधित करती हैं। गौरतलब है कि पठानियां पीठासीन अधिकारियों की समिति बैठक में भाग लेने गत सायं नई दिल्ली से वायुमार्ग द्वारा भोपाल पहुँचे थे। लोक सभा अध्यक्ष द्वारा अलग-अलग विषयों की समीक्षा हेतु छः से सात राज्यों के पीठासीन अधिकारियों की समितियों का गठन किया गया है जबकि समिति प्रणाली के सुदृढ़ीकरण विषय हेतु समीक्षा के लिए 7 राज्यों के पीठासीन अधिकारियों की समिति का गठन किया गया है जिसमें उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, उड़ीसा, सिक्किम, पश्चिम बंगाल तथा मध्य प्रदेश विधान मण्डलों के पीठासीन अधिकारी शामिल हैं। बैठक आरम्भ होने से पूर्व सभी पीठासीन अधिकारियों ने मध्य प्रदेश विधान सभा परिसर में पौधारोपण का कार्य किया तदोपरान्त मध्य प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कार्यक्रम में मौजूद सभी पीठासीन अधिकारियों का शॉल व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

बैठक को उत्तर प्रदेश विधान सभा के पीठासीन अधिकारी सतीश महाना, राजस्थान के वासुदेव देवरानी, उड़ीसा की सूरमा पाढ़ी, सिक्किम के मिम्मा नोरबू शेरपा, पश्चिम बंगाल के विमन बनर्जी तथा मध्य प्रदेश के पीठासीन अधिकारी नरेन्द्र सिंह तोमर ने भी सम्बोधित किया।

बैठक को अपने चिर-परिचित अंदाज में सम्बोधित करते हुए पठानियां ने कहा कि अब समय आ गया है कि हमें किसी भी कार्य को हल्के से नहीं लेना होगा अब जनता तथा समाज जागृत हो चुका है और जवाबदेही भी सुनिश्चित करनी होगी। आज डिजिटल तथा टैक्नोलॉजी का जमाना है जहाँ सोशल मिडिया के माध्यम से खबर आग की तरह फैलती है वहीं जनता ही परोक्ष रूप से जवाब देना शुरू करती है।

राज्य स्तरीय जनजातीय उत्सव 2025 की तैयारियों हेतु उप-समितियों की बैठक आयोजित

भारतेन्दु संवाददाता

केलांग : राज्य स्तरीय जनजातीय उत्सव 2025 के सफल आयोजन को लेकर गठित विभिन्न उप-समितियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आज उपायुक्त कार्यालय के सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त एवं जनजातीय उत्सव मेला कमेटी की अध्यक्षा किरण भड़ाना ने की।

बैठक में मेला आयोजन से जुड़े सभी उप-समितियों के अध्यक्ष एवं सदस्यों ने भाग लिया। उपायुक्त किरण भड़ाना ने बैठक के दौरान उप-समितियों द्वारा अब तक की गई तैयारियों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की और आवश्यक निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि जनजातीय उत्सव जनजातीय संस्कृति, परंपराओं एवं लोक कलाओं के संरक्षण और प्रचार-प्रसार का सशक्त माध्यम है। अत: इस आयोजन को भव्य और अनुशासित ढंग से मनाने के लिए सभी समितियां अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन गंभीरता व निष्ठा से करें।

स्वागत समिति के अध्यक्ष ने बैठक में अवगत करवाया कि इस वर्ष मुख्य अतिथियों का स्वागत पारंपरिक लाहौली संस्कृति के अनुसार किया जाएगा जिसमें स्थानीय वाद्य यंत्रों की धुन और पारंपरिक परिधान प्रमुख आकर्षण रहेंगे। साथ ही सांस्कृतिक समिति ने उत्सव के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की जिसमें स्थानीय लोकनृत्यों के साथ-साथ अन्य जिलों व राज्यों सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी शामिल रहेंगी। बैठक में सुरक्षा, पेयजल, स्वच्छता, चिकित्सा, यातायात एवं मीडिया समन्वय से जुड़ी उप-समितियों ने भी अपनी तैयारियों की जानकारी दी। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से पूर्ण कर ली जाएं ताकि प्रतिभागियों और आगंतुकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि जनजातीय उत्सव के माध्यम से लाहौल-स्पीति की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाने का सुनहरा अवसर मिलेगा।

अंत में उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों और उप-समिति सदस्यों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि जनजातीय उत्सव को यादगार और ऐतिहासिक बनाने में सभी अपनी भूमिका निभाएं।

इस दौरान बैठक में कार्यवाहक सहायक आयुक्त एवं एकीकृत जनजातीय परियोजना अधिकारी कल्याणी गुप्ता, एसडीएम केलांग अकांक्षा शर्मा, वन मण्ड्ल अधिकारी अनिकेत वानवे, जिला कल्याण अधिकारी खुशविंद्र ठाकुर, जिला कृषि अधिकारी मुंशी राम ठाकुर, खण्ड विकास अधिकारी डा. विवेक गुलेरिया सहित विभिन्न समितियों के अध्यक्ष और सदस्य उपस्थित रहे।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी सभागार में छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

भारतेन्दु संवाददाता

चंबा : सोमवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ बिपिन ठाकुर के सौजन्य से मुख्य चिकित्सा अधिकारी चंबा के सभागार में आयुष्मान आरोग्य मंदिर के अधीन एक्सपेंडेड पैकेज के तहत स्वास्थ्य पर्यवेक्षकों एवं स्वास्थ्य कार्यकर्तायों के लिए मुंह, आँख, कान, गला, नाक एवं आपातकालीन देखभाल के बारे में छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इस मौके पर उपस्थित जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ कविता महाजन ने बताया कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य सामुदायिक स्तर तक लोगों को मुंह, आँखों, गले, नाक, से संबंधित तकलीफो एवं बिमारियों के वारे में एवं आपात कालीन देखभालएवं सेवायों के बारे में लोगों को जागरूक कर के उन्हें इन से बचने के जागरूक करना है तथा यदि कोई इनसे संबंधित परेशानियों से पीड़ित है तो उनका तुरंत इलाज करवाना है। इस प्रशिक्षण के उपरान्त खंड स्तर पर आशायों को भी इन देखभाल के बारे में प्रशिक्षित किया जायेगा और वे ग्रामीण स्तर पर इन बीमारियों से पीड़ित लोगों का पता लगा कर उनका समय पर इलाज करवाने में सहायता करेंगी साथ ही लोग इन बीमारियों से बचे रहें इसके बारे में स्वास्थ्य शिक्षा दे कर उन्हें जागरूक करेंगी।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन शल्यकॉन 2025 का हुआ उद्घाटन

नई दिल्ली : सुश्रुत जयंती के मौके पर, आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव ने अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), नई दिल्ली में शल्य तंत्र पर आधारित तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन, शल्यकॉन 2025 का उद्घाटन किया।

एआईआईए के शल्य तंत्र विभाग द्वारा राष्ट्रीय सुश्रुत संघ के सहयोग से आयोजित यह राष्ट्रीय सेमिनार, एनएसए के 25वें वार्षिक सम्मेलन का एक हिस्सा था।

इस कार्यक्रम में भारत तथा नेपाल और श्रीलंका जैसे पड़ोसी मुल्कों के विद्वानों, आयुर्वेदिक विशेषज्ञों और शल्य चिकित्सकों, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और छात्रों समेत 500 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए प्रतापराव जाधव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के मुताबिक, आयुर्वेद में अनुसंधान को और सशक्त करने की ज़रुरत बल दिया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अनुसंधान को बढ़ावा देना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता बनी रहनी चाहिए। गहन वैज्ञानिक जाँच-पड़ताल के ज़रिए, हमारी पारंपरिक प्रणालियों के प्रभाव को वैश्विक स्तर पर स्थापित किया जा सकता है।

भारत सरकार पहले ही आयुर्वेदिक चिकित्सकों को 39 शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं और 19 अतिरिक्त ऑपरेशन करने के लिए अधिकृत कर चुकी है, जिससे स्वास्थ्य सेवा के प्रति एकीकृत दृष्टिकोण मज़बूत हुआ है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उपचार की गुणवत्ता और सुरक्षा बनाए रखने के लिए शल्य चिकित्सा प्रोटोकॉल का मानकीकरण ज़रुरी है।

इस अवसर पर आयुष मंत्रालय के सचिव पद्मश्री वैद्य राजेश कोटेचा, आयुष मंत्रालय के उप महानिदेशक सत्यजीत पॉल, राष्ट्रीय सुश्रुत संघ के अध्यक्ष पद्मश्री प्रो. मनोरंजन साहू, एनएसए के सचिव प्रो. पी. हेमंत कुमार, निदेशक (स्वतंत्र प्रभार) प्रो. (डॉ.) मंजूषा राजगोपाला भी उपस्थित थीं।

भारत अशांत दुनिया में एक नखलिस्तान की तरह है, जो 773 जिलों और सशक्त नेतृत्व से संचालित है : पीयूष गोयल

नई दिल्ली : केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) 2024 पुरस्कार समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वाणिज्य मंत्रालय नए निर्यातकों को नए बाजारों तक पहुंचाने के लिए जिलों के साथ मिलकर काम करेगा।

उन्होंने बताया कि मंत्रालय जल्द ही नए बाजारों, नए उत्पादों और नए निर्यातकों को बढ़ावा देने के लिए और दिशानिर्देश जारी करेगा। उन्होंने कहा कि वाणिज्य मंत्रालय और जिले ओडीओपी उत्पादों को नए बाजारों तक पहुंचाने और नए निर्यातकों को सहयोग देने के लिए साझेदारी कर सकते हैं। गोयल ने बताया कि विभिन्न राज्यों के 773 जिलों ने भारत की सफलता की कहानी में योगदान दिया है।

उन्होंने कहा कि भारत इस अशांत दुनिया में रेगिस्तान में एक नखलिस्तान की तरह है और आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है। उन्होंने कहा कि भारत 2027 में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि राज्यों, जनसंख्या और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मिलकर इस विकास की कहानी को संभव बनाया है।

उन्होंने कहा कि हमारे पास इतने विविध उत्पाद हैं जो भारत को विश्व स्तर पर ले जा सकते हैं।

राष्ट्रीय स्टार्टअप पुरस्कारों के पांचवें संस्करण के लिए आवेदन आमंत्रित

नई दिल्ली : वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने स्टार्टअप इंडिया कार्यक्रम के तहत एक प्रमुख पहल, राष्ट्रीय स्टार्टअप पुरस्कार (एनएसए) के पांचवें संस्करण के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं।

सरकार के आत्मनिर्भर भारत के विजन और पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य के अनुरूप स्टार्टअप इंडिया, स्टार्टअप को मान्यता, कर छूट, नियामक संबंधी सुगमता, वित्त पोषण तक पहुंच और क्षमता निर्माण जैसी पहलों के माध्यम से स्टार्टअप की मदद करता है।

उच्च-प्रभाव वाले उद्यमों का उत्सव मनाने और उन्हें स्पॉटलाइट में लाने के लिए, डीपीआईआईटी ने 2019 में राष्ट्रीय स्टार्टअप पुरस्कारों की शुरुआत की।

ये पुरस्कार न केवल व्यावसायिक सफलता, बल्कि सामाजिक प्रभाव, स्थिरता और विस्तार को भी मान्यता देते हैं। इसके नवीनतम संस्करण में 2,300 से ज्यादा आवेदन प्राप्त हुए, जो इस पहल की बढ़ती पहुंच और प्रतिष्ठा को दर्शाता है।

राष्ट्रीय स्टार्टअप पुरस्कार (एनएसए) में आवेदन करने वाले स्टार्टअप का मूल्यांकन एक कड़ी बहु-चरणीय प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है।

बिहार में मतदाता सूची के मसौदे में 7,89,69,844 मतदाताओं में से 6,60,67,208 को शामिल किया जाएगा

नई दिल्ली : बिहार में चल रहे एसआईआर में भरे हुए गणना प्रपत्र (ईएफ) जमा करने की अंतिम तिथि में 11 दिन शेष हैं। बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर दो चरणों की जांच के बाद बिहार के 7,89,69,844 मतदाताओं में से 6,60,67,208 यानी 83.66प्रतिशत ईएफ जमा हुए। अब तक 1.59 प्रतिशत मतदाता मृत पाए गए। 2.2 प्रतिशत स्थायी रूप से स्थानांतरित हो गए और 0.73 प्रतिशत व्यक्ति एक से अधिक स्थानों पर नामांकित पाए गए हैं। इसलिए 88.18 प्रतिशत मतदाता या तो पहले ही अपना ईएफ जमा कर चुके हैं या उनकी मृत्यु हो गई है या उनका नाम एक ही स्थान पर बना हुआ है या वे अपने पिछले निवास स्थान से स्थायी रूप से बाहर चले गए हैं। अब केवल 11.82 प्रतिशत मतदाता अपने भरे हुए ईएफ जमा करने के लिए शेष बचे हैं और उनमें से कई ने आने वाले दिनों में दस्तावेजों के साथ अपने गणना प्रपत्र जमा करने के लिए समय मांगा है।

निर्वाचन आयोग की यह कोशिश है कि कोई भी पात्र मतदाता छूट न जाए और शेष मतदाता अपने ईएफ भर सकें। लगभग 1 लाख बीएलओ जल्द ही घर-घर जाकर तीसरा चरण शुरू करेंगे।

सभी राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त 1.5 लाख बीएलए प्रयासों को और मज़बूत कर रहे हैं, जिनमें से प्रत्येक प्रतिदिन 50 ईएफ तक प्रमाणित और जमा कर सकता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई भी पात्र शहरी मतदाता ईआर से छूट न जाए, बिहार के सभी 261 शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) के सभी 5,683 वार्डों में विशेष शिविर भी लगाए जा रहे हैं।

जो मतदाता अस्थायी रूप से राज्य से बाहर चले गए हैं, उनके लिए समाचार पत्रों में विज्ञापन और सीधे संपर्क के माध्यम से प्रयास किए जा रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे समय पर अपने ईएफ भर सकें और उनके नाम 1 अगस्त, 2025 को प्रकाशित होने वाले ड्राफ्ट ईआर में भी शामिल हों। ऐसे मतदाता ईसीआईनेट ऐप के माध्यम से अपने मोबाइल फोन का उपयोग करके या https://voters.eci.gov.in पर ऑनलाइन फॉर्म के माध्यम से आसानी से ईएफ ऑनलाइन (एसआईआर दिशानिर्देशों के पैरा 3(डी) के अनुसार) भर सकते हैं।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड में कोल इंडिया की पहली पूर्णत: महिला-संचालित डिस्पेंसरी का उद्घाटन

नई दिल्ली : महिला सशक्तिकरण की दिशा में सशक्त कदम उठाते हुए, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) मुख्यालय बिलासपुर में महिला संचालित वसंत विहार डिस्पेंसरी का औपचारिक उद्घाटन किया गया। कोल इंडिया की यह पहली डिस्पेंसरी है, जो पूर्णत: महिलाओं द्वारा संचालित है।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक हरीश दुहान ने डिस्पेंसरी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर निदेशक तकनीकी (संचालन एवं परियोजना/योजना) एन. फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (मानव संसाधन) बिरंची दास निदेशक (वित्त) डी. सुनील कुमार और मुख्य सतर्कता अधिकारी हिमांशु जैन तथा एसईसीएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

यह पहल कोयला क्षेत्र में महिला नेतृत्व को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। वसंत विहार डिस्पेंसरी अब पूर्णत: 14 सदस्यीय महिला टीम द्वारा संचालित होगी, जिसमें डॉक्टर, नर्स, फार्मासिस्ट और सहायक कर्मचारी शामिल हैं। सीएमडी हरीश दुहन ने अपने संबोधन में एसईसीएल में कोल इंडिया की पहली पूर्णत: महिला-संचालित डिस्पेंसरी आरंभ किया जाना गर्व का विषय बताया। उन्होंने कहा कि यह कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी की कोयला क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और उनके लिए नेतृत्व के अवसर पैदा करने की सोच के अनुरूप उठाया गया कदम है और हम भविष्य में ऐसे और भी कदम उठाने को प्रतिबद्ध हैं। इस डिस्पेंसरी में ओपीडी सेवा, आकस्मिक और आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं, ड्रेसिंग एवं इंजेक्शन कक्ष, ईसीजी सुविधा, पैथोलॉजी परीक्षणों के लिए रक्त संग्रह केंद्र और ओपीडी फार्मेसी जैसी सुविधाएं हैं।

आयकर विभाग ने कटौतियों और छूटों के फर्जी दावों पर कसा शिकंजा

नई दिल्ली : आयकर विभाग ने आज देश भर में कई जगहों पर बड़े पैमाने पर वेरिफिकेशन अभियान शुरू किया, जिसका उद्देश्य आयकर रिटर्न (आईटीआर) में कटौतियों और छूटों के फर्जी दावे करने वाले लोगों और संस्थाओं को निशाना बनाना था। यह कार्रवाई आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लाभों के दुरुपयोग, जो अक्सर पेशेवर बिचौलियों की मिलीभगत से होता है, की गहन जांच के बाद की गई है।

जांच में कुछ आईटीआर तैयार करने वालों और बिचौलियों की ओर से संचालित संगठित रैकेट का पर्दाफाश हुआ है, जो फर्जी कटौतियों और छूटों का दावा करते हुए रिटर्न दाखिल कर रहे थे। इन फर्जी दाखिलों में लाभकारी प्रावधानों का गलत इस्तेमाल शामिल है, और कुछ लोग तो बहुत ज्यादा रिफंड का दावा करने के लिए फर्जी टीडीएस रिटर्न भी दाखिल करते हैं। संदिग्ध पैटर्न की पहचान करने के लिए, आयकर विभाग ने तृतीय-पक्ष स्रोतों, जमीनी स्तर की खुफिया जानकारी और एडवांस्ड आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस उपकरणों से प्राप्त वित्तीय आंकड़ों का इस्तेमाल किया है। महाराष्ट्र, तमिलनाडु, दिल्ली, गुजरात, पंजाब और मध्य प्रदेश में हाल ही में की गई तलाशी और जब्ती की कार्रवाइयों से इन निष्कर्षों की पुष्टि होती है, जहां कई समूहों और संस्थाओं की ओर से धोखाधड़ी के दावों के सबूत पाए गए।

ब्रीफ न्यूज

प्लैन क्रैश : प्रारंभिक रिपोर्ट में विमान में कोई यांत्रिक समस्या नहीं

नई दिल्ली : घरेलू एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कैम्पबेल विल्सन ने सोमवार को प्लैन क्रैश मामले में कहा कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो द्वारा जारी शुरुआती रिपोर्ट में जो बातें कही गई हैं, उसके मुताबिक, प्रारंभिक रिपोर्ट में विमान या इंजन में कोई यांत्रिक या रखरखाव संबंधी समस्या नहीं पाई गई, और सभी अनिवार्य रखरखाव कार्य पूरे कर लिए गए थे। खबर के मुताबिक, उन्होंने आगे कहा कि ईंधन की गुणवत्ता में कोई समस्या नहीं थी और टेक-ऑफ रोल में कोई असामान्यता नहीं थी।

पायलटों ने अनिवार्य उड़ान-पूर्व ब्रेथलाइज़र परीक्षण पास कर लिया था और उनकी स्वास्थ्य स्थिति के बारे में कोई अवलोकन नहीं किया गया था।

एयर इंडिया के कर्मचारियों को एक ईमेल में संबोधित करते हुए, कैंपबेल विल्सन ने जोर देकर कहा कि रिपोर्ट में 12 जून को एयर इंडिया के बोइंग 787-8 विमान हादसे के कारणों का पता नहीं लगाया गया है और न ही कोई सिफ़ारिश की गई है, जिसमें 260 लोग मारे गए थे। एयर इंडिया के सीईओ ने कहा कि प्रारंभिक रिपोर्ट में न तो कोई कारण बताया गया है और न ही कोई सुझाव दिया गया है, इसलिए मैं सभी से आग्रह करता हूं कि वे जल्दबाजी में कोई निष्कर्ष न निकालें क्योंकि जांच अभी पूरी नहीं हुई है।

हीरो मोटोकॉर्प भारत से बाहर के देशों में बढ़ाएगी मौजूदगी

नई दिल्ली : देश और दुनिया की दिग्गज टू व्हीलर कंपनी हीरो मोटोकॉर्प भारत से बाहर अब जर्मनी, फ्रांस, स्पेन और यूके में अपनी उपस्थिति बढ़ाने की योजना बना रही है। सोमवार को यह जानकारी कंपनी के अध्यक्ष पवन मुंजाल ने दी। पीटीआई की खबर के मुताबिक, 2025-26 की दूसरी तिमाही में कंपनी ने इस विस्तार की पूरी तैयारी कर ली है। कंपनी की 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए, मुंजाल ने कहा कि हीरो मोटोकॉर्प भविष्य में निवेश कर रही है - भारत और उससे आगे और कंपनी के अपने प्लेटफ़ॉर्म, जिनमें हीरो फ़ॉर स्टार्टअप्स पहल भी शामिल है, के ज़रिए नेक्स्ट जेनरेशन के उद्यमियों को सलाह दे रही है, उन्हें अनुसंधान एवं विकास तक एक्सेस प्रदान कर रही है और बाज़ार तक पहुंचने के रास्ते खोल रही है। खबर के मुताबिक, मुंजाल ने कहा कि 2024-25 में कंपनी ने इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में अपने नेतृत्व को और मज़बूत किया है, और कहा कि एक साहसिक वैश्विक विस्तार रोडमैप के तहत हीरो मोटोकॉर्प वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में अपनी मौजूदगी बढ़ाएगी, क्योंकि हम बिना किसी सीमा के मोबिलिटी के अपने विजन को नए बाज़ारों तक ले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में, हमने ग्राहक अनुभव, गुणवत्ता और पैमाने पर विशेष ध्यान केंद्रित करके दक्षिण एशिया से लेकर लैटिन अमेरिका तक के अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों में 43 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हासिल की।

म्यूचुअल फंड्स ने स्मॉल कैप स्टॉक्स से निकाला सारा पैसा

नई दिल्ली : शेयर बाजार में जारी उठा-पटक के बीच भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री की 6 बड़ी कंपनियों ने जून में कुल 13 स्मॉल कैप स्टॉक्स से सारा पैसा निकाल लिया। इन म्यूचुअल फंड कंपनियों में एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, एसबीआई म्यूचुअल फंड, कोटक म्यूचुअल फंड, निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड, क्वांट म्यूचुअल फंड और आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड के नाम शामिल हैं। इन कंपनियों ने अपने पोर्टफोलियो को मैनेज करते हुए 13 अलग-अलग स्मॉल कैप स्टॉक्स से पूरी तरह बाहर निकल गईं।

एचडीएफसी म्यूचुअल फंड ने जून में कुल 2 स्मॉल कैप स्टॉक्स से सारा पैसा निकाल लिया। इन दो स्मॉल कैप स्टॉक्स में सफारी इंडस्ट्रीज और वीएसटी इंडस्ट्रीज के नाम शामिल हैं।

एसबीआई म्यूचुअल फंड ने भी जून 2025 में 2 स्मॉल कैप कंपनियों- गुजरात स्टेट पेट्रोनेट और प्रिवी स्पेशलिटी से सारा पैसा निकाल लिया। कोटक म्यूचुअल फंड ने जून में 1 कंपनी से अपना सारा पैसा बाहर निकाल लिया। कोटक म्यूचुअल फंड ने क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स से सारा पैसा निकाला है।

निप्पॉन इंडिया म्यूयुअल फंड ने इस दौरान कुल 3 स्मॉल कैप कंपनियों के स्टॉक्स से पूरी तरह एग्जिट कर लिया है। निप्पॉन इंडिया ने जून में ऑरिएंट सीमेंट, फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस और अतुल से सारा पैसा निकाल लिया है।

क्वांट म्यूचुअल फंड ने भी जून 2025 में 2 कंपनियों से सारा पैसा निकाला है। क्वांट म्यूचुअल फंड, हुडको और पारस डिफेंस से पूरी तरह बाहर निकल चुकी है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड ने जून में कुल 3 कंपनियों से पूरी तरह एग्जिट ले लिया है। ये 3 कंपनियां रूट मोबाइल, त्रिवेणी टरबाइन और इंटीलेक्ट डिजाइन हैं।

एसबीआई ग्राहकों के लिए जरूरी सूचना

नई दिल्ली : देश के करोड़ों आम बैंक ग्राहकों के लिए इस वक्त की बड़ी खबर आ रही है। इस महीने की 16 तारीख को न तो आप एटीएम से कैश निकाल पाएंगे और न ही यूपीआई के जरिए कोई लेनदेन कर पाएंगे। इतना ही नहीं, 16 जुलाई को आईएमपीएस, नेफ्ट आप और आरटीजीएस से ऑनलाइन मनी ट्रांसफर भी नहीं कर पाएंगे।

क्या बंद होने वाले हैं 500 रुपए के नोट

नई दिल्ली : भारत सरकार ने 8 नवंबर, 2016 को नोटबंदी का ऐलान करते हुए 500 रुपये और 1000 रुपये के नोटों को बंद करने का फैसला किया था। 500 रुपये और 1000 रुपये के नोट बंद करने के बाद सरकार ने 500 रुपये और 2000 रुपये के नए नोट जारी किए थे। हालांकि, बाद में सरकार ने 2000 रुपये के नोटों को भी बंद करने की घोषणा कर दी।

अब भारत में अधिकतम 500 रुपये के नोट ही प्रचलन में हैं। इसी बीच, लोगों के बीच ऐसी बातें हो रही हैं कि सरकार अब 500 रुपये के नोट भी बंद करने जा रही है। ऐसा कहा जा रहा है कि आरबीआई 30 सितंबर, 2025 तक 500 रुपये के नोट जारी करना बंद कर देगा।

दरअसल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वॉट्सऐप पर एक मैसेज तेजी से वायरल हो रहा है। इस मैसेज में दावा किया गया है कि आरबीआई ने सभी बैंकों को 30 सितंबर, 2025 तक, ज़रूके जरिए 500 रुपये के नोट देने से मना कर दिया है।

मैसेज में आगे कहा गया है कि आरबीआई का लक्ष्य शुरुआत में 75 प्रतिशत एटीएम से 500 रुपये के नोटों का संवितरण रोकना है और फिर 31 मार्च, 2026 तक 90 प्रतिशत एटीएम से 500 रुपये के नोटों का संवितरण रोकना है। मैसेज में दावा किया गया है कि बाद में एटीएम से सिर्फ 200 रुपये और 100 रुपये के नोट ही निकलेंगे।

वॉट्सऐप पर बड़े लेवल पर फॉरवर्ड हो रहे इस मैसेज ने आम लोगों के मन में कई तरह के सवाल खड़े कर दिए। हालांकि, पीआईबी फेक्ट चैक ने खुद इस वायरल मैसेज का संज्ञान लिया है और पूरा सच बताया है। पीआईबी फेक्ट चैक ने बताया कि वॉट्सऐप पर वायरल हो रहे मैसेज में किया गया दावा पूरी तरह से झूठ है।

शोएब बशीर पूरी टेस्ट सीरीज से हुए बाहर

नई दिल्ली : भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जा रही है। तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड ने भारतीय टीम को रोमांचक मुकाबले में 22 रनों से शिकस्त दी है और सीरीज में 2-1 से आगे हो गई है। अब तीसरा टेस्ट जीतने के बाद इंग्लैंड की टीम के लिए एक बुरी खबर सामने आई है। शोएब बशीर चोटिल होने की वजह से पूरी टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। अभी उनके रिप्लेसमेंट का ऐलान नहीं किया गया है।

भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में रवींद्र जडेजा के कैच को पकड़ने के चक्कर में अंगुली चोटिल कर बैठे थे। इसके बाद वह ग्राउंड से बाहर चले गए थे और उनका ओवर जो रूट ने पूरा किया था। पहली पारी में उन्होंने 14.5 ओवर्स की गेंदबाजी की थी। 59 रन देकर उन्होंने एक विकेट भी चटकाया था। इसके बाद दूसरी पारी में जब इंग्लैंड की टीम को विकेट नहीं मिल रहा था, तब उन्हें देर से ग्राउंड में बुलाया गया।

दूसरी पारी में रवींद्र जडेजा और मोहम्मद सिराज के बीच 10वें विकेट के लिए 23 रनों की साझेदारी हो चुकी थी। भारतीय टीम जीत से 22 रन दूर थी, तभी उन्होंने सिराज को आउट कर दिया। अब इंग्लैंड को जीत दिलाने के बाद वह बाहर हो गए हैं। श्वस्क्क्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक उनकी अंगुली में फ्रैक्चर है। इसी वजह से वह आगे नहीं खेल पाएंगे।

शोएब बशीर अभी सिर्फ 20 साल के हैं और उन्होंने इंग्लैंड की टीम के लिए साल 2024 में टेस्ट में डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने 19 टेस्ट मैचों में 68 विकेट चटकाए हैं, जिसमें चार बार पांच विकेट हॉल शामिल है। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में भी उनका रिकॉर्ड बेहतरीन रहा है। 34 फर्स्ट क्लास मैचों में उनके नाम पर 87 विकेट दर्ज हैं।

अब बॉलिंग में भी वैभव सूर्यवंशी का कोई तोड़ नहीं

मुंबई : वैभव सूर्यवंशी ने इंग्लैंड दौरे पर यूथ वनडे सीरीज में दमदार प्रदर्शन किया और वह अपनी बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित करने में सफल रहे। वनडे सीरीज में उन्होंने कुल 355 रन बनाए थे, जिसमें एक शतक लगाया था। यूथ वनडे सीरीज के चौथे मुकाबले में वैभव ने 52 गेंदों में ही शतक जड़ा था और तब वह यूथ वनडे में शतक ठोकने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बने थे। अब भारतीय अंडर-19 टीम और इंग्लैंड अंडर-19 के बीच पहला यूथ टेस्ट मैच खेला जा रहा है, जिसमें वैभव ने अपनी बल्लेबाजी से नहीं बल्कि गेंदबाजी से कमाल किया है। इंग्लैंड अंडर-19 टीम के खिलाफ यूथ टेस्ट मैच में वैभव सूर्यवंशी ने 6 ओवर की गेंदबाजी की और इसमें कुल 10 रन लुटाए, जिसमें उन्होंने एक विकेट हासिल किया। उन्होंने इंग्लैंड अंडर-19 टीम के कप्तान हमजा शेख का विकेट झटका। विकेट लेने के साथ ही उन्होंने इतिहास रच दिया और वह यूथ टेस्ट मैचों में विकेट लेने वाले सबसे युवा भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने 14 साल 107 दिन की उम्र में ही विकेट ले लिया है।

आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में वैभव सूर्यवंशी को राजस्थान रॉयल्स की टीम ने 1.1 करोड़ रुपए में खरीदा था। इसके बाद उन्होंने आईपीएल 2025 में कमाल का प्रदर्शन किया।

लॉर्ड्स टेस्ट मैच हार का ठीकरा बल्लेबाजों के नाम

नई दिल्ली : लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम को 22 रनों से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में इंग्लैंड ने भारत के सामने जीत के लिए 193 रन का टारगेट रखा था, जवाब में भारतीय टीम 170 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। इस हार के बाद जाहिर तौर पर इंग्लैंड के कप्तान शुभमन गिल काफी निराश नजर आए। इस हार के लिए उन्होंने बल्लेबाजों को जिम्मेदार ठहराया है।

मैच के बाद हुए पोस्ट मैच प्रेजेंटेशन में शुभमन गिल ने कहा कि चौथे दिन के खेल के आखिरी एक घंटे में हमें बेहतर बैटिंग करनी थी। उन्होंने कहा चीजें काफी तेजी से बदली। मुझे लगता है कि पिछले एक घंटे में हम खुद को बेहतर तरीके से अप्लाई कर सकते थे। आज सुबह भी हमारी टीम प्लान के साथ खेलने के लिए उतरी थी। हम उम्मीद कर रहे थे कि एक 50 रन की पार्टनरशिप हो जाए। अगर टॉप ऑर्डर से 50 रन की पार्टनरशिप होती तो हमारे लिए चीजें आसान होती। कई बार सीरीज के स्कोरकार्ड नहीं बता पाते हैं कि आप कितने अच्छा खेले। मुझे लगता है कि हमने अच्छा क्रिकेट खेला और यहां से सीरीज ज्यादा रोचक होगी।

भारतीय कप्तान ने ये भी कहा कि मुझे इस टीम पर गर्व है। हमारी टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। इंग्लैंड ने भारतीय बल्लेबाजों के खिलाफ आक्रमक रवैया दिखाया। इसके बाद जब उनसे आखिर में अगले टेस्ट मैच में जसप्रीत बुमराह के खेलने पर सवाल पूछ गया तो इसके जवाब में उन्होंने कहा कि आपको इस बारे में जल्द ही पूरी जानकारी मिलेगी। मुकाबले की बात करें तो भारत और इंग्लैंड दोनों ही टीमों ने अपनी पहली-पहली पारी में 387-387 रन बनाए थे। इसके बाद इंग्लैंड की टीम दूसरी पारी में 192 रनों पर ऑलआउट हो गई थी। भारत को 193 रनों का लक्ष्य मिला, जिसके जवाब में भारत 170 रन बनाकर ऑलआउट हो गया। कप्तान बेन स्टोक्स ने इस मैच में गेंद और बल्ले से जबरदस्त प्रदर्शन किया इसके लिए उनको प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला।

जडेजा ने टेस्ट में रिकी पोंटिंग और विराट कोहली को छोड़ा पीछे

नई दिल्ली : भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में 22 रनों से हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ टीम इंडिया सीरीज में 1-2 से पीछे हो गई। इंग्लैंड ने तीसरे टेस्ट मैच में जीतने के लिए 193 रनों का टारगेट दिया है। इसके बाद भारतीय टीम 170 रनों पर सिमट गई।

भारत के लिए दूसरी पारी में रवींद्र जडेजा ने शानदार बल्लेबाजी का नमूना पेश किया। जहां एक ओर सीनियर बल्लेबाज के विकेट गिरते रहे। वहीं दूसरी तरफ जडेजा ने क्रीज का एक छोर थामे रखा। मैच में फिफ्टी प्लस स्कोर बनाते ही उन्होंने रिकी पोंटिंग और विराट कोहली को पीछे कर दिया है।

रवींद्र जडेजा ने अभी इंग्लैंड के खिलाफ दूसरी पारी में 181 गेंदों में 61 रन बनाए हैं, जिसमें उनके बल्ले से चार चौके और एक छक्के निकला है। लेकिन अपनी पारी में एक छक्का लगाते ही वह टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने के मामले में रिकी पोंटिंग से आगे हो गए हैं। जडेजा के टेस्ट में 74 छक्के हो गए हैं। जबकि पोंटिंग ने अपने पूरे टेस्ट करियर में कुल 73 छक्के लगाए थे।

टी20 क्रिकेट में वर्ल्ड रिकॉर्ड के बराबर पहुंचे कायरन पोलार्ड

नई दिल्ली : कायरन पोलार्ड की गिनती दुनिया के बेहतरीन ऑलराउंडर्स में होती है। वह निचले क्रम पर उतरकर तेजी के साथ रन बनाने के लिए जाने जाते हैं। अब एमआई न्यूयॉर्क के साथ मेजर लीग क्रिकेट 2025 का फाइनल जीतते ही उन्होंने कमाल कर दिया। एमएलसी 2025 का खिताब एमआई न्यूयॉर्क की टीम ने वॉशिंगटन फ्रीडम को 5 रन से हराकर अपने नाम कर लिया। मैच में एमआई न्यूयॉर्क ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 180 रन बनाए। इसके बाद वॉशिंगटन की टीम 175 रन बना पाई। कायरन पोलार्ड मैच में बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके अलावा गेंदबाजी करते हुए उन्होंने दो ओवर किए और 20 रन लुटाए, जिसमें वह कोई विकेट नहीं ले सके। लेकिन एमआई न्यूयॉर्क के खिताब जीतते ही उन्होंने वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। अब वह टी20 क्रिकेट में संयुक्त रूप से ज्यादा फाइनल जीतने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। पोलार्ड के टी20 क्रिकेट में ये 17वां मुकाबला जीता है। वहीं वेस्टइंडीज के ड्वेन ब्रावो ने भी टी20 क्रिकेट में 17 फाइनल मुकाबले जीते थे।

हर वस्तु में संगीत है, अगर मानव सुन सके।

– टालस्टाय

कितने ही छेद निकल आए

राजस्व के रिकार्ड अब चुटकी में बनेंगे, जमीन की रजिस्ट्री और भूमि के दस्तावेज अब दफ्तर के विराम से बच जाएंगे। जाहिर है हिमाचल में जमीनों की खरीद–फरोख्त और पुश्तैनी भूमि के अधिकार के पचड़े बहुत हैं। इस बीच कुछ ऐसे मामले भी सामने आते हैं, जहां विभागीय सूत्रधार सारी प्रक्रिया को कुटिल या भ्रष्टाचार का एक अलग समुदाय खड़ा कर देते हैं। ऐसे में सरकार के प्रयास एक सरल समाधान उस वक्त दे रहे हैं, जब भूमि विभाजक रेखाओं पर हजारों विवाद खड़े हैं। खानगी तकसीम की सरलता और सिंगल ओनर–सिंगल खाता की नई परिभाषा अगर संभव हो पाई, तो कई पीढ़ियों के लिए यह शांति का मार्ग होगा।

हिमाचल में जमीन अब न मरलों में और न ही बीघों में, बल्कि हर इंच पर लड़ाई है। हम चले तो बड़ी जमीन से थे, लेकिन आसमान छूने वालों के पांव जमीन को छोटा कर देते हैं। हिमाचल की अपनी पैमाइश में सबसे कमजोर पहलू है सार्वजनिक निर्माण के लिए उचित जमीन ढूंढना। विकास अब विवादित है और जमीन के सौदों में संगठित अपराध की बू आती है। अगर सर्वेक्षण करें कि पिछले तीन दशकों में जमीन की खरीद–फरोख्त सबसे अधिक किसने की तो मालूम होगा कि इसके भीतर अब राजस्व विभाग की सहमतियों के साथ कुछ विशेष कर्मचारी भी संलग्न हैं।

हाल ही में पालमपुर में एक रजिस्ट्री में कितने ही छेद निकल आए। आए दिन ऐसी हरकतों के जत्थे, तहसील कार्यालयों की जद में जमीनों पर आधिपत्य जमा रहे हैं। साधारण कला नहीं है कि कोई आम व्यक्ति अपनी जरूरत की चार–पांच मरले जमीन खरीद सके, लेकिन बड़े भूखंड उपलब्ध हैं बड़े कारनामों के गठजोड़ से। सड़कें निकलने से पहले प्रभावशाली खरीददारों को इशारा करती हैं कि इधर चले आओ। यह कैसी मांग, जो जमीन को खेत से अलग, बागीचे से दूर और पहाड़ से काट कर अपना सोना बना रही है। एक बार हिमुडा ने रिहायशी बंदोबस्त का बीड़ा उठा कर मांग सर्वेक्षण किया, तो करीब 75 हजार लोगों ने कहा, 'हां, हमें एक अदद प्लॉट चाहिए।

गुरु पूर्णिमा : मार्गर्षि वेद व्यास को समर्पित उत्सव

गुरु पूर्णिमा/व्यास पूर्णिमा/मुड़िया पूनों आषाढ़ मास की पूर्णिमा को कहा जाता है। इस दिन गोवर्धन पर्वत की लाखों श्रद्धालु परिक्रमा देते हैं। बंगाली साधु सिर मुंडाकर परिक्रमा करते हैं क्योंकि आज के दिन सनातन गोस्वामी का तिरोभाव हुआ था। ब्रज में इसे 'मुड़िया पूनों' कहा जाता है। आज का दिन गुरु–पूजा का दिन होता है। इस दिन गुरु की पूजा की जाती है। पूरे भारत में यह पर्व बड़ी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। वैसे तो व्यास नाम के कई विद्वान हुए हैं, परंतु व्यास ऋषि जो चारों वेदों के प्रथम व्याख्याता थे, आज के दिन उनकी पूजा की जाती है। हमें वेदों का ज्ञान देने वाले व्यास जी ही थे। अतः वे हमारे आदिगुरु हुए। उनकी स्मृति को बनाए रखने के लिए हमें अपने–अपने गुरुओं को व्यास जी का अंश मानकर उनकी पूजा करनी चाहिए। प्राचीन काल में जब विद्यार्थी गुरु के आश्रम में निःशुल्क शिक्षा ग्रहण करते थे तो इसी दिन श्रद्धा भाव से प्रेरित होकर अपने गुरु की पूजा किया करते थे और उन्हें यथाशक्ति दक्षिणा अर्पण किया करते थे। इस दिन केवल गुरु की ही नहीं, अपितु कुटुम्ब में अपने से जो बड़ा है अर्थात माता–पिता, भाई–बहन आदि को भी गुरुतुल्य समझना चाहिए...

वेद व्यास जयंती

गुरु पूर्णिमा जगत गुरु माने जाने वाले वेद व्यास को समर्पित है। माना जाता है कि वेदव्यास का जन्म आषाढ़ मास की पूर्णिमा को हुआ था। वेदों के सार ब्रह्मसूत्र की रचना भी वेदव्यास ने आज ही के दिन की थी। वेद व्यास ने ही वेद ऋचाओं का संकलन कर वेदों को चार भागों में बांटा था। उन्होंने ही महाभारत, 18 पुराणों व 18 उप पुराणों की रचना की थी जिनमें भागवत पुराण जैसा अतुलनीय ग्रंथ भी शामिल है। ऐसे जगत गुरु के जन्म दिवस पर गुरु पूर्णिमा मनाने की परंपरा है।

गुरु पूर्णिमा का महत्त्व

'गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु, गुरु देवो महेश्वर, गुरु साक्षात् परमं ब्रह्मा तस्मै श्री गुरुवे नमः।' अर्थात गुरु ही ब्रह्मा है, गुरु ही विष्णु है और गुरु ही भगवान शंकर है। गुरु ही साक्षात परब्रह्म है। ऐसे गुरु को मैं प्रणाम करता हूं। गुरु के प्रति नतमस्तक होकर कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है गुरु पूर्णिमा। गुरु के लिए पूर्णिमा से बढ़कर और कोई तिथि नहीं हो सकती। जो स्वयं में पूर्ण है, वही तो पूर्णत्व की प्राप्ति दूसरों को करा सकता है। पूर्णिमा के चंद्रमा की भांति जिसके जीवन में केवल प्रकाश है, वही तो अपने शिष्यों के अंतः करण में ज्ञान रूपी चंद्र की किरणें बिखेर सकता है। इस दिन हमें अपने गुरुजनों के चरणों में अपनी समस्त श्रद्धा अर्पित कर अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करनी चाहिए। गुरु कृपा असंभव को संभव बनाती है। गुरु कृपा शिष्य के हृदय में अगाध ज्ञान का संचार करती है।

गुरु की महिमा

गुरु को गोविंद से भी ऊंचा कहा गया है। शास्त्रों में गु का अर्थ बताया गया है– अंधकार या मूल अज्ञान और रु का अर्थ किया गया है– उसका निरोधक। गुरु को गुरु इसलिए कहा जाता है कि वह अज्ञान तिमिर का ज्ञानांजन–शलाका से निवारण कर देता है। अर्थात अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को गुरु कहा जाता है। गुरु तथा देवता में समानता के लिए एक श्लोक में कहा गया है कि जैसी भक्ति की आवश्यकता देवता के लिए है, वैसी ही गुरु के लिए भी। सद्गुरु की कृपा से ईश्वर का साक्षात्कार भी संभव है। गुरु की कृपा के अभाव में कुछ भी संभव नहीं है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक लोकेश सूद द्वारा 109/6, लोअर बाजार, शिमला से प्रकाशित तथा भारतेन्दु ऑफसैट प्रिंटिंग प्रैस, औद्योगिक क्षेत्र, ख्वारा चौकी, शोघी, शिमला–173219 से मुद्रित। व्यवस्थापक सीमा सूद।
सम्पादकीय कार्यालय एवं फैक्स : 2808285
आर.एन.आई.नं. एचपीएचआईएन/ 2000/2437
पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं. एच पी/68/एस एम एल
bhartendushikhar20@yahoo.com

ये आसन मस्तिष्क के संतुलन, सजगता एवं एकाग्रता को बढ़ाता है

बारिश के मौसम में मानसिक अवसाद भी बढ़ जाता है, क्योंकि लगातार बारिश होने की वजह से धूप की कमी होने से मूड स्विंग या डिप्रेशन आसानी से हो जाता है। यह आसन ऑक्सीजन को बेहतर बनाकर मन को शांत करता है। वृक्षासन पेड़ की तरह शरीर को स्थिर रखने के कारण शरीर की अंतस्रावी ग्रंथियों पर सकारात्मक असर डालता है और हार्मोनल संतुलन तथा तंत्रिका प्रणाली को मजबूत बनाता है। बारिश के ठंडे और नम वातावरण में आमतौर पर रक्त प्रवाह धीमा हो जाता है...

वृक्षासन या ट्री पोज खड़े होकर किया जाने वाला एक ऐसा योगासन है, जो तन और मन के बीच बहुत अच्छी तरह से संतुलन साधने में कारगर होता है। यह शरीर में संतुलन के साथ-साथ एकाग्रता और स्थिरता विकसित करता है। यूं तो हर मौसम में इस योगासन के फायदे हैं, लेकिन बारिश के मौसम में यह विशेष रूप से लाभकारी माना जाता है। क्योंकि बारिश के मौसम में नमी और सुस्ती से उत्पन्न शारीरिक व मानसिक जड़ता को दूर करने में यह आसन सर्वाधिक कारगर है।

वर्षा ऋतु में वृक्षासन के फायदे

क्योंकि बारिश के दिनों में वातावरण भारी रहता है। वातावरण में नमी बहुत ज्यादा होती है। इस कारण शरीर आलस से भरा रहता है और मानसिक स्थिति चंचल रहती है। ऐसे में वृक्षासन मस्तिष्क को शांत करता है और मन की एकाग्रता बढ़ाता है। इन दिनों नमी से जोड़ों में अकसर अकड़न और दर्द रहता है। ऐसे में यह आसन पैरों, घुटनों और टखनों की ताकत बढ़ाता है। क्योंकि बारिश के मौसम में व्यायाम की कमी हो जाती है, इसलिए इस मौसम में रीढ़ की हड्डी को सीधा रखने और उसमें लचीलापन बनाए रखने के लिए यह आसन बहुत कारगर है।

बारिश के मौसम में मानसिक अवसाद भी बढ़ जाता है, क्योंकि लगातार बारिश होने की वजह से धूप की कमी होने से मूड स्विंग या डिप्रेशन आसानी से हो जाता है। यह आसन ऑक्सीजन को बेहतर बनाकर मन को शांत करता है। वृक्षासन पेड़ की तरह शरीर को स्थिर रखने के कारण शरीर की अंतस्रावी ग्रंथियों पर सकारात्मक असर डालता है और हार्मोनल संतुलन तथा तंत्रिका प्रणाली को मजबूत बनाता है। बारिश के ठंडे और नम वातावरण में आमतौर पर रक्त प्रवाह

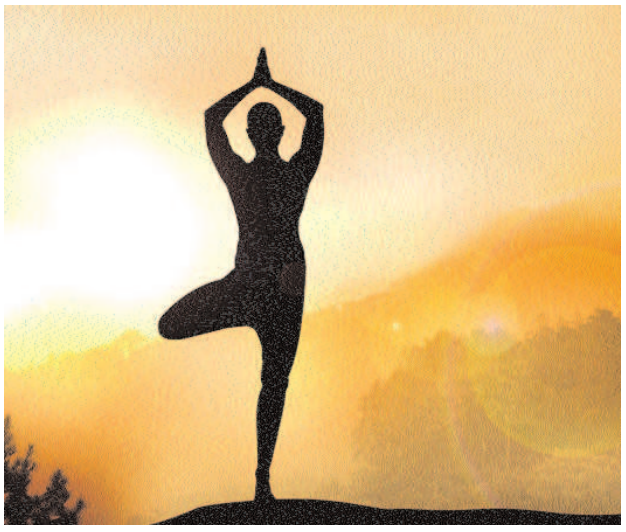

धीमा हो जाता है। ऐसे में वृक्षासन हमारे रक्तसंचार को सुचारू बनाए रखने में मदद करता है।

सही ढंग से कैसे करें

सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं, दोनों पैरों के बीच थोड़ी दूरी बनाकर रखें और हाथों को शरीर के पास रखें। इसके बाद बाएं पैर पर संतुलन बनाएं और दाएं पैर को मोड़कर उसके तलवे को बाई जांघ के अंदर लगाएं या घुटने के नीचे पिंडली पर रखें पर याद रखें घुटने पर नहीं रखना। इसके बाद दोनों हाथों को नमस्कार मुद्रा में आपस में जोड़ लें, हाथ जोड़कर उन्हें छाती के सामने उसके थोड़े ऊपर या सिर के ऊपर रखें। इस दौरान आपकी दृष्टि एक निश्चित बिंदु पर स्थिर रहनी चाहिए। सांस सामान्य हो और शरीर में पूरी तरह से संतुलन हो। 30 सेकंड से 1 मिनट तक इसी मुद्रा में रहने की कोशिश करें। फिर धीरे-धीरे दाएं पैर को नीचे रखें और यही प्रक्रिया दूसरी ओर से दोहराएं।

वृक्षासन के लाभ

इससे मस्तिष्क का सेरिबैलम व फ्रंटल लोब की सक्रियता बढ़ती है, जो एकाग्रता और संतुलन बनाने में मदद करता है। इससे हैमस्ट्रिंग्स, कॉफ मस्सल्स और कोर मस्सल्स सक्रिय होती है, जिससे स्थिरता और शक्ति मिलती है।

प्याज एक, फायदे अनेक, आज ही अपनी डाइट में शामिल करें कच्चा प्याज

प्याज एक ऐसी सब्जी जिसके बिना खाने का स्वाद ही नहीं लगता। प्याज को एक ओर जहां सब्जी में डालकर खाया जाता है तो वहीं, दूसरी ओर कुछ लोग सलाद के रूप में इसे कच्चा ही खाते हैं। हालांकि कुछ लोग कच्चे प्याज को खाने से परहेज करते हैं। इसके पीछे बड़ा कारण है मुंह से स्मेल आना। अगर आप भी कच्चे प्याज को खाने से परहेज कर रहे हैं तो शायद यह आपकी बड़ी भूल है। दरअसल कच्चा प्याज खाने से शरीर को जो स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं उनको जानकर आप भी हैरान हो जाएंगे और आज से ही रोजाना अपनी डाइट में कच्चा प्याज खाना शुरू कर देंगे। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि कच्चा प्याज खाने से शरीर को क्या क्या स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं।

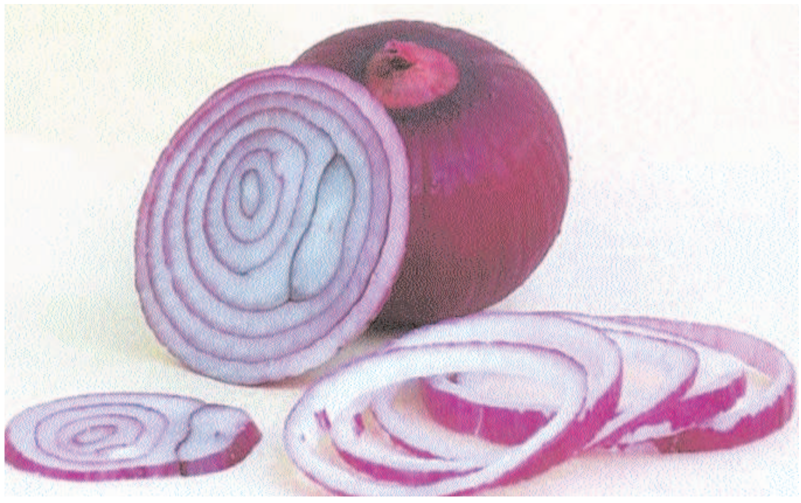

बता दें कि प्याज का आयुर्वेद में भी काफी महत्व है। प्याज को गरीबों की दवा भी कहा जाता है, क्योंकि यह आसानी से मिल जाता है और सस्ता भी होता है। प्याज खाना स्किन और बालों के लिए तो अच्छा है ही साथ में वात संबंधी रोगों में भी फायदेमंद माना गया है। प्याज शरीर की एनर्जी और ताकत को बढ़ाता है, इससे स्ट्रेस और जोड़ों के दर्द भी कम होता है।

आयुर्वेद के अनुसार प्याज के नियमित सेवन से भूख, पाचन शक्ति बेहतर होती है और पुरुषों में स्पर्म काउंट में भी सुधार होता है। प्याज का रस कान दर्द में फायदेमंद होता है। इसके अलावा खांसी, अस्थमा और स्दी में घी में भुना प्याज फायदेमंद है। नाक से हो रही ब्लीडिंग को रोकने में भी ताजा प्याज का रस मददगार होता है। प्याज को इम्यूनिटी बढ़ाने वाला भी माना गया है। वहीं, आधुनिक सांइस के मुताबिक प्याज में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट्स, जैसे क्रेरसेटिन और सल्फर कंपाउंड, शरीर के लिए फायदेमंद हैं। दिल की बीमारियों को दूर करने लिए प्याज बहुद फायदेमंद है। प्याज ब्लड प्रेशर को कम करता है, इंफ्लेमेशन को घटाता है और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मदद करता है, जिससे हार्ट हेल्दी बनता है। यहां तक कि कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी के खतरे को कम करने में भी प्याज मददगार है। प्याज में मौजूद फ्लेवोनोइड्स कैंसर सेल्स के विकास को रोकते हैं। खासतौर पर कोलन और ब्रेस्ट कैंसर के लिए इसे फायदेमंद माना जाता है। वैज्ञानिकों के अनुसार प्याज के लाल रंग में पाए जाने वाले एंथोसाइनन कंपाउंड कैंसर से लड़ने में मददगार होते हैं। डायबिटीज के लिए भी प्याज फायदेमंद है, क्योंकि यह इंसुलिन सेंसिटिविटी बढ़ाता है और लिवर में शुगर मेटाबॉलिज्म सुधारता है।

मतगजेंद्र नाथ मंदिर की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता इसका प्राचीन शिवलिंग

भारत की धार्मिक और पौराणिक नगरी चित्रकूट अपने कण-कण में भगवान श्रीराम की उपस्थिति समेटे हुए है। इसी पावन भूमि पर रामघाट के समीप एक ऐसा अलौकिक शिव मंदिर स्थित है, जिसका महत्व पूरे भारतवर्ष में अद्वितीय है। यह है मतगजेंद्र नाथ मंदिर, जहां स्थापित शिवलिंग के बारे में मान्यता है कि इसे स्वयं भगवान राम और ब्रह्मा जी ने मिलकर स्थापित किया था। यह मंदिर सिर्फ एक पूजा स्थल नहीं, बल्कि भक्तों की आस्था और पौराणिक कथाओं का जीवंत प्रतीक है।

पूरे भारत में अनगिनत शिव मंदिर हैं, लेकिन श्रीराम की तपोस्थली में स्थित यह विशिष्ट मंदिर एक अलग ही पहचान रखता है। श्रीराम और ब्रह्माजी द्वारा स्थापित शिवलिंग- मतगजेंद्र नाथ मंदिर की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता इसका प्राचीन शिवलिंग है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस पवित्र शिवलिंग की स्थापना भगवान राम ने अपने वनवास काल के दौरान ब्रह्मा जी के साथ मिलकर की थी। यह तथ्य ही इस मंदिर को भक्तों के लिए अत्यंत पूजनीय बनाता है। चित्रकूट के राजा मतगजेंद्र नाथ- इस शिवलिंग को चित्रकूट का राजा भी कहा जाता है और इसी कारण इस मंदिर का नाम मतगजेंद्र नाथ पड़ा। यह नाम भगवान शिव के उस विराट स्वरूप को दर्शाता है, जो इस पावन नगरी में सर्वोच्च अधिपति के रूप में विराजमान है। सावन में कांवड़ियों की अटूट आस्था- सावन का महीना आते ही मतगजेंद्र नाथ मंदिर में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ती है।

देश-विदेश

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, यमन में भारतीय नर्स का जान गंवाना दुखद

नई दिल्ली : यमन में मौत की सजा का सामना कर रही केरल की नर्स निमिषा प्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामला बहुत संवेदनशील है। अगर भारतीय नर्स यमन में जान गंवाती है, तो यह दुखद होगा। मामले में सुनवाई जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने की। इस दौरान केंद्र की तरफ से अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि ने कोर्ट में कहा कि सरकार जहां तक जा सकती थी, जा चुकी है। यमन जैसे देश के साथ भारत खुलकर कूटनीतिक दखल नहीं दे सकता। निमिषा को यमन नागरिक की हत्या के मामले में 16 जुलाई को मौत की सजा दी जाएगी। वह 2017 से यमन की जेल में बंद हैं। उन पर यमन के नागरिक तलाल अब्दो महदी को दवा की ओवरडोज देकर हत्या करने का आरोप है।

झरने के कुंड में डूबने से तीन नर्सिंग छात्रों की मौत

चित्तौड़गढ : राजस्थान में चित्तौड़गढ़ जिले के बस्सी थाना क्षेत्र में निलिया महादेव झरने के नीचे कुंड में डूबने से तीन युवकों की मौत हो गई। तीनों मारवाड़ क्षेत्र के निवासी थे और यहां नर्सिंग छात्र थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को कई लोग निलिया महादेव झरने पर पिकनिक मनाने गए थे, जहां एक युवक डूब गया। इस पर वहां मौजूद लोगों ने उसे बाहर निकाल लिया, तब तक उसकी मौत हो गयी। देर रात उसकी शिनाख्त नागौर जिले के मोकलपुर निवासी नरेंद्र (21) जाट के रूप में हुई। पुलिस ने बताया कि इसके बाद पता चला कि मृतक के साथ दो और युवक भी थे। इस पर पुलिस ने दोनों की तलाश शुरू की। सोमवार सुबह नागरिक सुरक्षा का दल मौके पर पहुंचा और उनकी तलाश शुरू कर दी। करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद उन्होंने झरने के कुंड में गहराई में जाकर उनके शव बाहर निकाले।

दिल्ली के तीन स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली : दिल्ली के तीन स्कूलों को सोमवार को बम से उड़ाने के धमकी मिली, हालांकि पुलिस जांच में किसी भी तरह की संदिग्ध सामग्री नहीं मिली है। एक पुलिस अधिकारी ने आज यहां बताया कि पुलिस को प्रशांत विहार और द्वारका सेक्टर-16 स्थित केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) स्कूलों और चाणक्यपुरी स्थित एक स्कूल से बम की धमकी के बारे में सूचना मिली। उन्होंने कहा कि सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, श्वान दस्ते और बम निरोधक दस्ते स्कूल पहुंचे और गहनता से जांच की।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में हवाई सम्पर्क विस्तार का आग्रह किया

भारतेन्दु संवाददाता

शिमला : मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू से भेंट कर हिमाचल प्रदेश में हवाई सम्पर्क को सुदृढ़ करने को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने दिल्ली-शिमला-धर्मशाला और धर्मशाला-शिमला-दिल्ली हवाई उड़ानों का संचालन नियमित रूप से करने का आग्रह किया जो वर्तमान में केवल तीन दिन ही संचालित हो रही हैं। उन्होंने बताया कि नियमित उड़ाने नहीं होने से पर्यटकों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने धर्मशाला नाइट लेडिंग की सुविधा शुरू करवाने का भी आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने नायडू को कांगड़ा हवाई अड्डे के विस्तार की स्थिति की जानकारी दी और भूमि अधिग्रहण की अधिक

लागत को ध्यान में रखते हुए विशेष सहायता प्रदान करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पूर्व में एक बैठक के दौरान प्रधानमंत्री के साथ भी इस विषय पर चर्चा कर नागरिक उड्डयन मंत्रालय से सहायता का आग्रह किया था।

उन्होंने कहा कि इस हवाई अड्डे के निर्माण से क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी। सुक्खू ने प्रदेश में हवाई सम्पर्क और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए चार नए हैलीपोर्ट के निर्माण का भी अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने शिमला हवाई अड्डे के विस्तार पर भी चर्चा की और वहां की वॉच ऑवर समय सीमा को दोपहर एक बजे से आगे बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने पूर्वोत्तर राज्यों की तर्ज पर शिमला में डॉर्नियर प्रकार के विमानों के संचालन का प्रस्ताव भी दिया। उन्होंने शिमला के लिए अतिरिक्त एयरलाइन ऑपरेटर की सेवाएं प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

अनुराग ठाकुर ने प्रभावितों को बांटी रसोई सामग्री

भोरंज : उपमंडल भोरंज की विभिन्न पंचायतों में हाल ही में आई प्राकृतिक आपदा से प्रभावित हुए परिवारों को राहत पहुंचाने के लिए सांसद अनुराग सिंह ठाकुर की अगुवाई में एक विशेष सहायता अभियान चलाया गया। इस दौरान बेघर हुए परिवारों को रसोईघर की आवश्यक सामग्री वितरित की गई। सांसद अनुराग ठाकुर द्वारा 20 पीड़ित परिवारों को बर्तन, कढ़ाई, तवे, थालियां, गिलास और अन्य जरूरी रसोई सामग्री प्रदान की गई, जिससे प्रभावित परिवार अपने जीवन की नई शुरुआत कर सकें। इस मानवीय पहल में बजड़ौह पंचायत के महिला मंडल बजड़ौह और भरठयिणी महिला मंडल ने सक्रिय सहयोग दिया। पट्टा पंचायत के प्रधान दिनेश ठाकुर ने इस पुनीत कार्य में विशेष योगदान देते हुए स्वयं 10 परिवारों के लिए संपूर्ण रसोई सामग्री उपलब्ध करवाई।

भटेड़ को एंबुलेंस रोड और सामुदायिक भवन

भारतेन्दु संवाददाता

हमीरपुर : मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार सुनील शर्मा बिट्टू ने हमीरपुर के निकटवर्ती गांव भटेड़ का दौरा किया। इस अवसर पर उन्होंने स्थानीय निवासियों से मुलाकात कर उनकी व्यक्तिगत, सामाजिक और विकास संबंधी समस्याओं को सुना। मौके पर ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कई समस्याओं के समाधान के निर्देश जारी किए। गांववासियों ने सुनील शर्मा बिट्टू के समक्ष एंबुलेंस रोड, सामुदायिक भवन, श्मशान घाट के रास्ते और कई अन्य समस्याएं एवं मांगें रखीं। सुनील शर्मा बिट्टू ने मौके पर ही अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर गांव के लिए एंबुलेंस सड़क का निर्माण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने गांव में सामुदायिक भवन के निर्माण और श्मशानघाट के लिए उचित रास्ता बनाने के लिए भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन कार्यों को शीघ्र ही शुरू कर, समयसीमा के भीतर पूर्ण किया जाए। अपने संबोधन में सुनील कुमार बिट्टू ने लोगों से आह्वान किया कि यदि उन्हें किसी भी प्रकार की समस्या हो तो वे बेहिचक उनसे संपर्क करें, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ सही लोगों तक पहुंच सके और गांव तरक्की की ओर बढ़े।

बरनोट में देवदार के 300 पौधे रोपकर दिया हरियाली का संदेश

भारतेन्दु संवाददाता

पतलीकूहल : हिमाचल प्रदेश पिछले कुछ वर्षों से लगातार प्राकृतिक आपदाओं का सामना कर रहा है। जिसका एक प्रमुख कारण विकास के नाम पर वनों का अंधाधुंध कटान माना जा रहा है। इन गतिविधियों के चलते अब कुल्लू का वातावरण भी लगातार प्रदूषित हो रहा है। इसी गंभीर स्थिति को देखते हुएए रविवार को घाटी के जाने-माने बागबान टीकम राम के नेतृत्व में क्षेत्र के युवाओं ने हमारी प्रकृति हमारी धरोहर कार्यक्रम के तहत एक महत्वपूर्ण पहल की। नथान बीट के नजदीक वरनोट गांव में इस अभियान के अंतर्गत 300 देवदार के पेड़ लगाए गए। इस पौधरोपण अभियान में शामिल सभी लोगों ने घाटी की जनता से प्रकृति को संरक्षित करने के लिए सहयोग की अपील की है। इस कार्यक्रम में दिल्ली से आए अनमोल और प्रियंका के विशेष सहयोग के लिए सभी ने आभार व्यक्त किया।

पर्यावरणविद्द कृष्ण लाल ने भी इस अभियान की खूब सराहना की है। यह पहल कुल्लू के बिगड़ते पर्यावरण को सुधारने और भविष्य की पीढ़ियां के लिए प्रकृति को सहेजने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।